बारिश ने लील ली 8 जिंदगी

चमोली जिले के पांच और उत्तरकाशी के तीन लोग शामिल

अमर उजाला ब्यूरो

- आईटीबीपी ने दो हजार यात्रियों को सुरक्षित निकाला
- पांडुकेश्वर, लामबगड़ और गोविंदघाट में हजारों बेघर

गोपेश्वर। चमोली जिले में बरसात पांच लोगों की जिंदगी लील गई। दो लोगों की भूस्खलन की चपेट में आने और तीन लोगों की अलकनंदा में बहने से मौत हो गई। मंगलवार को आईटीबीपी के जवानों ने गोविंदघाट, पांडुकेश्वर और लामबगड़ से दो हजार से भी अधिक तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकालकर जोशीमठ पहुंचाया है।

हेलंग में दो लोगों की भूस्खलन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त मंदीप सिंह (18) पुत्र संतोष सिंह, निवासी जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा एवं मलकीत सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी रसूलपुर, जिला कैंथल, हरियाणा (21 वर्ष) के रूप में हुई है। घायलों में रविंद्र सिंह पुत्र हरनाम सिंह, निवासी गढ़ीनेगी, काशीपुर, ऊधमसिंह नगर एवं कुलदीप सिंह पुत्र बलविंदर सिंह और बलविंदर सिंह पुत्र महेंद्र सिंह, दोनों निवासी गढ़ी लांघड़ी, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा शामिल हैं।

गोविंदघाट में अलकनंदा के तेज बहाव में इरशाद (33), महिताब (22) और दिनशाद (18) अपने खच्चरों समेत बह गए। तीनों लोग बिजनौर जिले के ग्राम नारायणपुर (नजीबाबाद) के रहने वाले थे। जिले में फिलहाल बारिश तो थमी पर आपदा में पांडुकेश्वर, लामबगड़, पुलना और गोविंदघाट में हजारों लोग बेघर हो गए। राहत कार्य के लिए जिला प्रशासन को एक हेलीकाप्टर दिया गया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बदरीनाथ हाईवे को जोशीमठ से कर्णप्रयाग तक आवाजाही के लिए खोल दिया है। बीआरओ ने बुधवार दोपहर तक जोशीमठ से गोविंदघाट तक भी सड़क खोलने का दावा किया है। सेना के जवान घांघरिया, पांडुकेश्वर और लामबगड़ में फंसे तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर से मेडिकल, खाना व कंबल बांट रहे हैं। जोशीमठ में सेना के ब्रिगेडियर अक्षत अरोड़ा ने बताया सेना के पांच हजार जवान राहत, बचाव कार्य में जुटे हैं।

दो परिवारों पर टूटा कहर

उत्तरकाशी/नई टिहरी। गाजणा पट्टी के उड़री गांव में सोमवार शाम करीब 4.30 बजे को बादल फटने से रामपति देवी (58) पत्नी गोकल सिंह के साथ ही नत्थी सिंह की पत्नी लक्ष्मी देवी (24)और बेटी भारती(7) की मौत हो गई। उसका चार वर्षीय पुत्र मोलू लापता बताया गया है। ग्रामीण जयंती लाल ने बताया कि तीन लोगों के शव बरामद कर अंतिम संस्कार लिया गया है। इसके साथ ही ग्रामीणों के एक बैल एवं भैंस की भी मलबे में दबकर मौत हो गई। टीएचडीसी सेवा ने प्रभावित परिवारों को रसद सामग्री को ढाई-ढाई हजार रुपये की सहायता मुहैया करवाई है।